दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक दैनिक हो गया है। इसका सर्वे का कार्य आगे भी तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्व की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO :- CHHHIN16931 || email :- nyaysakshi@gmail.com || रायगढ़, शनिवार 3 नवम्बर 2018 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-01, अंक-39

महत्वपूर्ण एवं खास

कर्नाटक में लोकसभा की 3 और विधानसभा की 2 सीटों पर वोटिंग शुरू

बेंगलुरू ,(आरएनएस)। कर्नाटक में तीन लोकसभा और दो विधानसभा सीटों पर शनिवार को उपचुनाव हो रहा है। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने बताया, मतदान की प्रक्रिया सुबह सात बजे कड़ी सुरक्षा एवं व्यवस्था के बीच शुरू हुई। बेल्लारी (आरक्षित), मांड्या और शिमोगा संसदीय सीटों और रामनगर और जमखांडी विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं। मतदान की प्रक्रिया शाम छह बजे तक होगी। इस दौरान कुल 54.5 लाख मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिसमें 27.2 लाख पुरुष और 27.3 लाख महिलाएं हैं। इस दौरान 31 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं, जिसमें भाजपा के पांच, कांग्रेस, के तीन, जनता दल सेक्युलर (जेडी-एस) के दो और 21 निर्दलीय हैं। कर्नाटक भाजपा के अध्यक्ष बी.एस.येदियुरप्पा के बेटे बी.वाई.राघवेंद्र सबसे पहले वोट डालने वालों में से रहे।

एएमयू में छात्रसंघ चुनाव के लिए मतदान जारी

करीब 22 हजार मतदाता करेंगे वोटिंग

लखनऊ ,(आरएनएस)। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के छात्र संघ (एएमयूएसयू) चुनाव के लिए कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान हो रहा है। यूनिवर्सिटी के 14 विभागों में मतदान केंद्र बनाए गए हैं और मतदान शाम पांच बजे तक चलेगा।

एक चुनाव अधिकारी ने कहा कि मतदान प्रक्रिया के दौरान दोपहर में एक घंटे का विराम रहेगा। विश्वविद्यालय में 18,886 मतदाता हैं, जबकि महिला कॉलेज में 3,014 मतदाता हैं। इस प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कोर्ट सदस्य और कैबिनेट सदस्य पद के लिए मतदान हो रहे हैं। कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी मात्रा में पुलिसबल तैनात किया गया है।

कर्नाटक में लोकसभा की 3 और विधानसभा की 2 सीटों पर वोटिंग शुरू

बेंगलुरू ,(आरएनएस)। कर्नाटक में तीन लोकसभा और दो विधानसभा सीटों पर शनिवार को उपचुनाव हो रहा है। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने बताया, मतदान की प्रक्रिया सुबह सात बजे कड़ी सुरक्षा एवं व्यवस्था के बीच शुरू हुई। बेल्लारी (आरक्षित), मांड्या और शिमोगा संसदीय सीटों और रामनगर और जमखांडी विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं। मतदान की प्रक्रिया शाम छह बजे तक होगी। इस दौरान कुल 54.5 लाख मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिसमें 27.2 लाख पुरुष और 27.3 लाख महिलाएं हैं। इस दौरान 31 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं, जिसमें भाजपा के पांच, कांग्रेस, के तीन, जनता दल सेक्युलर (जेडी-एस) के दो और 21 निर्दलीय हैं। कर्नाटक भाजपा के अध्यक्ष बी.एस.येदियुरप्पा के बेटे बी.वाई.राघवेंद्र सबसे पहले वोट डालने वालों में से रहे।

अयोध्या विवाद को लेकर रामदेव का बड़ा बयान, कहा -कोर्ट में देर हुई तो संसद में जरूर आएगा बिल

लखनऊ , 2019 के आम चुनावों की दस्तक से महज कुछ महीने पहले अयोध्या विवाद एक बार फिर तूल पकड़ता दिख रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और बीजेपी नेताओं की बयानबाजी के बीच अब बाबा रामदेव ने बड़ा बयान दिया है। बाबा रामदेव ने कहा है कि संतों/राम भक्तों ने संकल्प किया है कि राम मंदिर में अब और देर नहीं। उन्होंने कहा है कि मुझे लगता है कि इसी वर्ष शुभ समाचार देश को मिलेगा।

नोएडा से लापता कश्मीरी युवक आईएस में शामिल

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के नोएडा स्थित एक निजी विश्वविद्यालय में पढने वाला लापता युवक के बारे में दावा किया जा रहा है कि वह आईएसआईएस में शामिल हो गया है। सोशल मीडिया पर शुक्रवार को उस लापता कश्मीरी लड़के की तथाकथित तस्वीरों भी पोस्ट की गयी। आपको बता दें कि श्रीनगर निवासी एहतेशाम बिलाल सोफी (17) ग्रेटर नोएडा के शारदा विश्वविद्यालय में प्रथम वर्ष का छात्र था। वह विगत कई दिनों से लापता बताया जा रहा है।

बिलाल 28 अक्टूबर को लापता हो गया था। उसने विश्वविद्यालय से दिल्ली जाने की अनुमति ली थी। अधिकारियों ने बताया कि ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क पुलिस स्टेशन के साथ-साथ श्रीनगर के खानयार पुलिस स्टेशन में भी उसके लापता होने को लेकर मामला दर्ज किया गया था। सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों में सोफी काले कपड़ों में दिख रहा है और उनमें दावा किया गया कि वह आईएसआईएस के विचार से प्रभावित आतंकी समूह आईएसजेके में शामिल हो गया है।

आईजी एटीएस असीम अरुण ने बताया कि एहतेशाम बिलाल की असलहे के साथ तस्वीर शुक्रवार शाम

सोशल मीडिया पर फोटो वायरल

सोशल मीडिया पर वायरल हुई। फोटो के साथ एहतेशाम ने आईएसजेके जॉइन करने की घोषणा की है। फोटो के बैकग्राउंड में आईएसआईएस का झंडा है। आईजी ने बताया कि उसकी तलाश के दौरान सामने आया था कि उसने लापता होने के बाद एयर टिकट लिया लेकिन प्लेन से सफर नहीं किया। लापता होने के बाद उसकी लोकेशन जम्मू-कश्मीर में मिली लेकिन वह घर नहीं गया। यूनिवर्सिटी में उसके साथी चार अन्य कश्मीरी छात्रों से पूछताछ में उसके आतंकी संगठन में शामिल होने के सुराग मिले हैं।

इससे पहले मंगलवार को जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने गृहमंत्री राजनाथ सिंह से लापता छात्र को खोजने में मदद की मांग को लेकर ट्वीट किया था। दूसरी ओर सूत्रों के मुताबिक एटीएस टीम ने लापता छात्र के मोबाइल की पिछले एक माह की कॉल डिटेल निकाली है और उसमें श्रीनगर के जिन नंबरों पर अधिक समय तक हुई बात हुई है, उनकी जांच की जा रही है। इस जांच में जो जानकारी हाथ लगी है वह भी चौकाने वाले हैं। लापता लड़के की बात घर के किसी सदस्य से न होकर किसी अन्य से हुई है।

सरकार चाहे तो बना सकती है कानून: चेलमेश्वर

नई दिल्ली (आरएनएस)। राम मंदिर निर्माण को लेकर अब उच्चतम न्यायालय के पूर्व जस्टिस जस्ती चेलमेश्वर का बयान आया है। उनका कहना है कि उच्चतम न्यायालय में मामला लंबित होने के बावजूद सरकार इसपर कानून बना सकती है। शुक्रवार को मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि विधायी प्रक्रिया द्वारा अदालती फैसलों में अवरोध पैदा करने के उदाहरण पहले भी रहे हैं। जस्टिस चेलमेश्वर ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है, जब अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का रास्ता साफ करने के लिए एक कानून बनाने की मांग संघ परिवार में बढ़ती जा रही है।

कांग्रेस पार्टी से जुड़े संगठन ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस (एआईपीसी) की ओर से आयोजित एक परिचर्चा सत्र में जस्टिस चेलमेश्वर ने यह टिप्पणी की। जब चेलमेश्वर से पूछा गया कि सुप्रीम कोर्ट में केस पेंडिंग रहने के दौरान क्या संसद राम मंदिर के लिए कानून पारित कर सकती है, इस पर उन्होंने कहा कि ऐसा हो सकता है।

उन्होंने कहा, यह एक पहलू है कि कानूनी तौर पर यह हो सकता है (या नहीं)। दूसरा यह है कि यह होगा (या

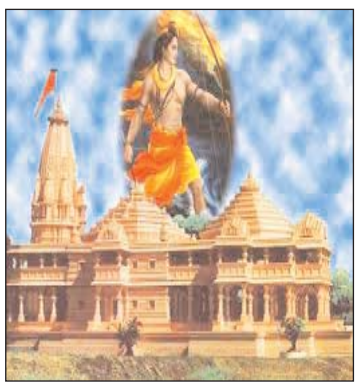

नहीं)। मुझे कुछ ऐसे मामले पता हैं जो पहले हो चुके हैं, जिनमें विधायी प्रक्रिया ने उच्चतम न्यायालय के निर्णयों में अवरोध पैदा किया था। चेलमेश्वर ने कावेरी जल विवाद पर उच्चतम न्यायालय का आदेश पलटने के लिए कर्नाटक विधानसभा द्वारा एक कानून पारित करने का उदाहरण दिया। उन्होंने राजस्थान, पंजाब एवं हरियाणा के बीच अंतर-राज्यीय जल विवाद से जुड़ी ऐसी ही एक घटना का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा, देश को इन चीजों को लेकर बहुत पहले ही खुला रुख अपनाना चाहिए था....यह (राम मंदिर पर कानून) संभव है, क्योंकि हमने इसे उस वक्त नहीं रोका।

अब जांच कराने को तैयार हुआ रेलवे

अमृतसर हादसा

नयी दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रेलवे ने शुक्रवार को कहा कि अमृतसर हादसे की जांच मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त करेंगे। इस हादसे में एक ट्रेन की चपेट में आ जाने से पटरी के किनारे रावण दहन देख रहे 60 लोग मारे गए थे।आपको बता दें कि करीब दो हफ्ते पहले हुए इस हादसे के बाद रेलवे ने कहा था कि वह इस घटना की कोई जांच नहीं कराएगा। उत्तरी रेलवे की ओर से जारी एक अधिसूचना के मुताबिक, जांच रविवार (चार नवंबर) से शुरू होगी। अधिसूचना के जरिए रेलवे ने ऐसे लोगों को मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त शैलेश पाठक के सामने अपना बयान दर्ज कराने के लिए आमंत्रित किया है जिनके पास हादसे से जुड़ी सूचना है। अमृतसर स्थित रेलवे मैकेनिकल वर्कशॉप में लोग मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त के समक्ष अपना बयान दर्ज करा सकेंगे। यह पांच नवंबर तक चलेगा।रेलवे ने बयान जारी कर कहा कि रेलवे के मुख्य संरक्षा आयुक्त उन मामलों की जांच कर सकते हैं जहां नियम और कानून के अनुसार यह आवश्यक नहीं है, इस मामले में भी वह ऐसा करेंगे। बयान के मुताबिक, अमृतसर के सांसद गुरजीत सिंह औजला ने रेल मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात कर व्यक्तिगत रूप से 23 अक्टूबर को लिखा अपना पत्र सौंपते हुए इस हादसे की जांच मुख्य रेलवे संरक्षा आयुक्त से कराने का आग्रह किया। रेल मंत्रालय ने इस आग्रह और अन्य तथ्यों, परिस्थितियों और कानूनी प्रावधानों पर विचार किया। इसमें कहा गया कि कानून के अनुसार ऐसे मामलों में मुख्य रेलवे संरक्षा आयुक्त से जांच कराने की आवश्यकता नहीं है लेकिन ऐसा कराना अनुचित भी नहीं है। इसके अलावा लखनऊ के मुख्य रेलवे संरक्षा आयुक्त को मामले में उन परिस्थितयों की जांच करने को कहा गया है जिस कारण यह हादसा हुआ था। साथ ही यह भी कहा कि प्रथम दृष्ट्या इस हादसे के लिए परिवाहक जिम्मेदार दिखाई नहीं देता। गत 19 अक्टूबर को दशहरे के दिन रावण दहन के दौरान अमृतसर में ट्रेन की चपेट में आने से 60 लोगों की मौत हो गई थी।

अमेरीका ने दीया दीवाली तोहफा, भारत प्रतिबंध के बावजूद ईरान से खरीद सकेगा तेल प्रतिबंध के बावजूद ईरान से खरीद सकेगा तेल

अमेरिका ने आठ देशों को प्रतिबंध लागू होने के बावजूद ईरान से तेल का आयात जारी रखने पर सहमति जताई है. अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी. अमेरिका ने ईरान

के साथ हुये परमाणु समझौते से अपने को अलग करते हुये ईरान पर एक बार फिर से प्रतिबंध लागू किये हैं. ये प्रतिबंध पांच नवंबर से लागू हो रहे हैं. पोम्पियो ने कहा कि ये देश ईरान से चल रहे तेल आयात में भारी कटौती करेंगे. इससे पहले दिन में ब्लूमबर्ग ने अमेरिका के एक अधिकारी के हवाले से कहा कि भारत, जापान और दक्षिण कोरिया सहित आठ देशों को ईरान से तेल आयात करने पर प्रतिबंध से छूट दी गई है.

ट्रंप का ट्वीट ईरान से तेल खरीद सकेगा भारत, अन्य देशों के लिए हैं प्रतिबंध

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को भले ही ईरान से तेल खरीदने की छूट दे दी हो लेकिन अन्य देशों के लिए उनका सख्त रुख बरकरार है. ट्रंप के एक ट्वीट ने जाहिर कर दिया है कि अमेरिका सख्त प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है.पहले अमेरिका चाहता था कि भारत सहित अन्य देश 4 नवंबर को ईरान से तेल खरीदना पूरी तरह बंद कर दें. इस दिन के बाद अमेरिका की ओर से ईरान पर प्रतिबंध लागू हो जाएंगे. लेकिन अब अमेरिका की ओर से 8 देशों को राहत देने की खबरें आ रही हैं.ये राहत शायद बाकी देशों को न मिल पाए, ट्रंप की ओर से किए गए एक ट्वीट से तो ऐसा ही नजर आ रहा है. राष्ट्रपति ट्रंप ने अपना एक पोस्टर ट्वीट किया है जिसमें लिखा है, 'प्रतिबंध लागू हो रहे हैं, 5 नवंबर'. ट्रंप के ट्वीट से साफ है कि अगले 2 दिनों में वो प्रतिबंधों को लेकर कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं. हाल के कुछ दिनों में ट्रंप का सख्त रुख देखने को मिला है, चाहे फिर वो ईरान से तेल खरीदने का मसला हो या अमेरिका में शरणार्थियों

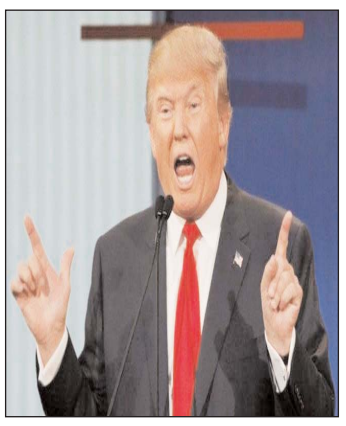

की एंट्री से जुड़ा मामला, हर फैसले में ट्रंप ने काफी सख्ती दिखाई है.अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ दिन पहले ही ईरान प्रतिबंध के हवाले से पूरी दुनिया को धमकी देते हुए कहा था कि 4 नवंबर के बाद अगर कोई देश ईरान से कच्चा तेल खरीदता है तोहम सख्त से सख्त कदम उठाने के लिए तैयार हैं. ट्रंप ने ईरान से कच्चा तेल आयात को लेकर चेतावनी देते हुए कहा था कि 4 नवंबर तक ईरान से कच्चे तेल का आयात घटाकर शून्य नहीं करने वाले 'देशों को भी अमेरिका देख लेगा'.इससे पहले ट्रंप ने मई में अमेरिका को 2015 में हुए ईरान परमाणु समझौते से अलग कर लिया था और उस पर फिर से प्रतिबंध लगाए. ट्रंप ने ईरान से तेल आयात करने वाले देशों को 4 नवंबर तक अपना आयात घटाकर शून्य करने के लिए कहा है. साथ ही उन्होंने ऐसा नहीं करने वाले देशों पर प्रतिबंध लगाने की भी चेतावनी दी है.इसे लेकर व्हाइट हाउस की ओर से भी एक ट्वीट किया गया है जिसमें कहा है कि अमेरिका फिर से हटाए गए प्रतिबंधों को कड़ाई से लागू कर रहा है. ईरान पर सख्त से सख्त प्रतिबंध लगाए गए हैं जिसके जरिए इस अहम क्षेत्र में भ्रष्ट सरकारों को निशाना बनाया जा सके.भारत, ईरान से कच्चे तेल का चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा खरीदार है. लेकिन अमेरिका की चेतावनी के बाद भारत अब ईरान से कच्चे तेल की खरीद को सालाना डेढ़ करोड़ टन तक सीमित रखना चाहता है. इससे पहले 2017-18 में भारत की ईरान से तेल खरीद दो करोड़ 26 लाख टन यानी चार लाख 52 हजार बैरल प्रतिदिन के स्तर पर रही.क्या है

बीजेपी नेता अनिल परिहार की हत्या के पीछे हिज्बुल मुजाहिदीन

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में बीजेपी के राज्य सचिव अनिल परिहार की किश्तवार में हत्या कश्मीरी आतंकी संगठनों की क्रोधित प्रतिक्रिया हो सकती है। आम तौर पर शांतिपूर्ण माहौल वाले किश्तवार में इस खूनी घटना को हिज्बुल मुजाहिदीन ने अंजाम दिया है, इसकी आशंका से सुरक्षा एजेंसियां इनकार नहीं कर रही हैं। पंचायत चुनाव में बंद की कोशिशें सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम की वजह से सफल नहीं हो सकी। हिज्बुल जैसे संगठन किसी भी सूरत में पंचायत चुनाव नहीं होने देना चाहते थे और अपने मंसूबों में नाकाम होने के बाद बीजेपी नेता को निशाना बनाया गया।

इंटेलिजेंस अधिकारियों ने बताया कि परिहार और उनके भाई के हत्यारों को पकड़ने के लिए अभी जांच चल रही है। शुरुआती जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि इस घटना को अंजाम देने के लिए जिन हथियारों और तरीके का इस्तेमाल किया गया है, वह किसी स्थानीय आतंकी संगठन की भागीदारी का इशारा करते हैं। इस घटना को अंजाम देने में आतंकी संगठनों के छुपे हुए स्थानीय मददगारों की भी भूमिका है।एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, अब तक की जांच में यह सामने आया है कि 6-7 हिज्बुल मुजाहिदीन के आतंकी किश्तवार में पिछले कुछ वक्त से कैंपेन कर रहे थे।

हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि ये आतंकी किश्तवार में सुरक्षा बलों की मुस्तैदी देखकर छुपने के लिए आए थे, या फिर परिहार भाइयों को मारने के मिशन के साथ ही इन्होंने यहां डेरा डाला था।जांच अधिकारी ने यह भी कहा कि इस हत्याकांड के पीछे क्या मंशा थी, हम वहां पहुंचने की भी

कोशिश कर रहे हैं। जांच अधिकारी के अनुसार, अभी तक की जांच में यह स्पष्ट हो गया है कि परिहार भाइयों पर हुआ हमला किसी निजी रंजिश की वजह से नहीं हुआ है।

अब हम इसकी जांच कर रहे हैं कि क्या आतंकी संगठन बीजेपी के सीनियर नेताओं को निशाना बनाने के लिए काम कर रहे हैं या फिर राज्य में चुनावों को लेकर भय का माहौल बनाना उनका उद्देश्य है।